आधे लीवर का भी प्रत्यारोपण : डॉ. चावड़ा

रक्त शुद्धिकरण के साथ-साथ विभिन्न शारीरिक प्रक्रियाओं में सहयोग देने वाला शरीर का महत्वपूर्ण अंग है लीवर। यह शरीर का वह हिस्सा है जो दवाओं के अधिक सेवन से, वायरस से, वंशानुगत बीमारियों से एवं शराब तथा तंबाकू के अधिक सेवन से बिगडता है या सड जाता है। **बहुत कम लोग इस बात से वाकिफ हैं कि आधा लीवर काटने के बाद भी वह पूरा बन जाता है, यह एक शारीरिक प्रक्रिया है।** यदि लीवर में कैंसर हो गया है तो रोगी के किसी संबंधी का आधा लीवर लगाकर भी रोगी को बचाया जा सकता है। ऐसा माना जाता है कि प्रोटीन वाली खुराक शरीर को तंदुरस्त बनाती है, लेकिन यह भी एक हकीकत है कि ज्यादा प्रोटीन लीवर और किडनी को नुकसान पहुंचा सकता है।

यह कहना है शहर के स्टर्लिंग अस्पताल में सेवाएं दे रहे डॉ. हीतेश चावडा का। डॉ. चावडा मूल रूप से सौराष्ट्र के पानेली से है चिकित्सा क्षेत्र में गत 12 वर्ष से सेवाएं दे रहे हैं। डॉ. चावडा ने इंग्लैंड में सर्जरी का प्रशिक्षण प्राप्त किया है। उन्होंने लीवर कैंसर तथा लीवर बदलने के क्षेत्र में मुख्य प्रशिक्षण प्राप्त किया है। इसके अलावा **उन्होंने सिंगापुर के ग्लेनिगल्स हॉस्पिटल में विश्व विख्यात लीवर सर्जन डॉ. के.सी. टॉन के साथ एक वर्ष कार्य** कर लीवर के बारे में विशेष प्रशिक्षण भी प्राप्त किया है। उन्होंने कोरिया लीवर ट्रांसप्लांट में फैलोशिप भी हासिल की है। गत एक वर्ष में लीवर के 36 ऑपरेशन किए है। डॉ. चावडा गेस्ट्रो सर्जन भी है। **उन्होंने बताया कि स्टर्लिंग अस्पताल में भी दो तीन माह में लीवर प्रत्यारोपण की सुविधा शुरू की जा रही है।**

लीवर प्रत्यारोपण दो तरीकों से होता है। प्रथम ऐसे रोगी का लीवर लिया जाता है जिसका ब्रेन डेड हो चुका हो। दूसरे तरीके में रोगी के परिवार का ही कोई सदस्य अपना आधा लीवर डोनेट करता है। इस परिस्थिति में रोगी का पूरा डैमेज लीवर निकाल कर उसकी जगह उसके ही किसी संबंधी का आधा लीवर लगा दिया जाता है। यह एक जटिल ऑपरेशन है। रोगी को जब नया लीवर प्रत्यारोपित किया जाता है तब लीवर में रक्त पहुंचाने वाली शिराओं और धमनियों को रोगी के शरीर की रक्त नलिकाओं के साथ जोडा जाता है। अंत में पित्त की नली जोडी जाती है। **इस ऑपरेशन में तीन से चार सर्जनों की टीम कार्य करती है। यह ऑपरेशन दस से बारह** घंटे तक चलता है। ऑपरेशन के बाद एक दो दिन में रोगी को होश में लाया जाता है तथा उसे करीब एक सप्ताह **आईसीयू** में रहना पडता है।

डॉ. चावडा कहते है कि हमारे देश मुख्यतः गुजरात में लीवर दान देने वालों की संख्या काफी कम है। जरूरत है इस बारे में समाज में जागरुकता फैलाने की। यही कारण है कि हमारे देश में लीवर प्रत्यारोपण कराने वालों की सूची हर दिन लम्बी होती जा रही है। लीवर प्रत्यारोपण के लिये लीवर देने व लेने वाले दोनों लोगों का रक्त ग्रुप एक होना जरूरी है तथा यह भी देखना पडता है कि जिसका लीवर लिया जा रहा है वह पूरी तरह स्वस्थ हो। लीवर कैंसर के रोगी भी प्रत्यारोपण के पश्चात स्वस्थ जीवन जी सकते है। **डॉ. चावडा की टीम में डॉ. विरिम्मत जोशीपुरा एवं डॉ. अमित शाह भी शामिल हैं।**

STERLING HOSPITALS
Sterling Hospital Road, Memnagar,
Ahmedabad-380 052.
Tel : (079) 40011111 • Fax :(079) 40011166

HCG MEDI-SURGE HOSPITALS
1, Maharashtra Society, Mithakhali Six Roads,
Ellisbridge, Ahmedabad-380 006
Tel. : (079) 40010101, 40010297
Fax : (079) 40010103 / 26402435

Mobile : 098250 08402
E-mail : gujaratliverclinic@gmail.com
Website : www.gujaratliverclinic.com